Maharishi Skills
SKILLS | EDUCATION

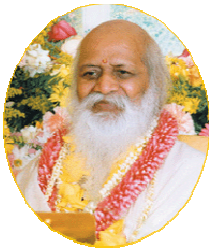

Certificate in Jyotish Science

Duration : 240 Hrs / 6 Months

1. महर्षिज्योतिष–परिभाषा
2. ज्योतिष शास्त्र का काल विभाजन संक्षिप्त परिचय।

(क) अंधकार युग

(ख) उदयकाल

(ग) आदिकाल

(घ)पूर्वकाल

(ङ) उत्तरकाल

(च) आधुनिककाल

3. ज्योतिष की प्रमुख्य शाखायें।
4. मनव जीवन मेंज्योतिष की उपयोगिता।
5. पंचांग की परिभाषा, उसकी उपयोगिता और देखने की विधि।
6. ग्रहों, राशियों और नक्षत्रों का सम्यक् परिचय।
7. षडवर्ग का सामान्य परिचय निर्माण विधि।

(1) लग्न

(2) होरा

(3) द्रेष्काण

(4) नवमांश

(5) द्वाद्वशांश

(6) त्रिंशांश

8. राशियों की चरादि संज्ञा।

9. द्वादशभावों का वर्णन।

10. भावफलों का शुभाशुभत्व।

11. ज्योतिष में ग्रह बाधा निवारण के उपाय।

12. ग्रहों के मंत्र एवंजप संख्या।

13. फलादेश के मौलिक सिद्धान्त।

14. पंचमहापुरुष के लक्षण

15. नवावतारकावर्णन।

16. राशियोंकावर्णन।

17. ग्रहस्वरूप एवं जाति का वर्णन।

18. संस्कार का सामान्य परिचय।

19. मुहूर्तविचार।

20. ज्योतिष के प्रमुख ग्रंथों का परिचय।